

प्रागल्भ्यनमा ॥ ॥ नवाभावाले चलना नविन्दः क्रोमसुदानंदसिद्धयुधिष्ठिरागुल्लिखति
 सिद्धसहिताथमिहः साक्यविदिन्यसिषयषखे ॥ शाको

आभासकाथि

928

ASHA ARCHIVE

साक्याकेदेनरावोवावसासुनरा मसास
 समस्त

कथयगच्छयद्ममकुम
 टठठ ठंरा नयदध
 नपकवममयटलक

(Faint, mostly illegible text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the leaf.)

१ कुं नमो जगद्गुरु व नमः ॥ ज्व ग्रा उवाय ॥ ॥ आदि नै वा लख नू नाग
इ न सा ॥ वायु देव तान जो हा ह न ग य त म् थ श्र य ॥ दि ११ करु नाय रु य स्वा स
डा ० ० ० कर व नाग नू त्म ज स व थ म् मि र वा स्या क व थ म् उ ति ना हा ति स व थ म्
स क ना ना ग रु य ॥ ग रु र ड मा म रि (थ व ला य पूर्व डा ना ध्रु ज या द डा ॥ य व स
या व त्रि त य ० ० ० डाय नि द डा ना यू डा क्मा नि द व ता यू डा ध्रु स म रि ६ व त्रि
वि य मा ल व त्र डा १० ल डा वा क र व वा न र ड मा ७ ना ग र्क्ष १ रु ति नि
सू या १ व त्रि ना ग यू डा यू डा र म् य वा डा कि ३३ ॥ विं थि स पू डा या य ॥ व क्
नि स प डा ॥

~~विं थि~~ १ कुं नमः ॥ साम वा त न इ उ सा य ॥ वा थ स्या य व क् नि स प
डा थ व ला य का ग्ग क्क ना म डा ना ज्मि दे व तान जो हा ह ना मि र वा स्या क व थ
वा थ स्या य दे वा र व ला य र वा त्ति न ता य ना य र वा यि न वि क् य म न
न या डा य ला डा इ न रु या द यू डा लं डा य क र्क्ष सू न व ना वि य ल य ३
मा हा ल क्ष्मी यू डा गो ल स प डा क्मा नि यू डा य का ना या दा वा स य त्रि त य
ना ग यू डा मि ना ग त डा २ ल डा ३ व वा न ७ ना ग र्क्ष ३ ज्म न द ना ग यू डा
ध ल द यू क् ल स रि व ग्म द यू डा कि ज्व ल र व डा र पु थ स म् म् व त्रि रि

नियुक्ता, मातां कालपूजा, कुमात्रिपूजा, वं कुनिसयूजा, लागायामरिह
रहायुनमहिनीरुनसासिय ॥ ॐ ॥

१ कुनम ४ श्री गवातरवनरुगुतायया ॥ १६२ कलरु, दवतानडाका
साताडा, कुकु, आस्यायडा, वाथस्यायू, इरस्यायू, कुकुयजिडा, कुकु ॥
वाशयू, कुकुनायू, तातिरुयूडा, पितृशान धाकू, आयू, गवतसत्राग
दवि ~~गवातरवनरुगुतायया~~ त्रगडातिपूजा, रिमसिपूजा, गयनयात, या १ वत्रि
नय नागायनपूजा, यैव, मातां कालपूजा, वृषपूजा, कुमात्रिपूजा, वृत्त

यसडा श्री काय का वरुमा ॥ नाम यैव सधा लसा ले पावो जी वैवी
वृशनावा वृवोमी

जा १२ तडा ६ दोइ, धलइ, रुक पात १ वानि वृवान ० यैवनागपूजा, यूर
त जाकिरे पूजा, कुमात्रिपूजा, रिमसिपूजा, मन्नाविम, वं कुनिसयूजा
कलाखसडा आय, आडान महिन रुनसासिय ॥ ४॥ ॐ ॥

१ कुनम ४ वृषवालेनरुगुतायया ॥ लायइडा दिन न कुनमदयडा, चिकू
डास्यकदयडा, त्रगवातिपूजा, नागायनपूजा, वृषपूजा, मातां कालपूजा,
हं यनवपूजा, आगमसयूजा, वं कुनियूजा, त्रगयात १ वत्रिनय, खाका
यनाडा, वृ, तडा ५ लव १३ वृवान, ० ॥ हाका मिमादयू, वलदयू, नरित

१ कुं नमः ४ आनि च लन ज्ञाय यत्ता ग ॥ दिन १० राक्षसं जोडा रुत, मा
तस्या कथन, काल ३ म ६ हि खगु ३ स दयूडा, तागा, नि ३ दयूडा
क ३ रा ध ३ ३ ३ ग ३ म ३ ट

五十五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ अथ श्रीसुब्रह्मयज्ञोक्तम् ॥

[The following section contains several pages of handwritten text from the manuscript, which appears to be a continuation of the same type or form as described above.]

[illegible]

[The manuscript page contains approximately 18 lines of handwritten text in Devanagari script, which appears to be a form or ledger entry.]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसुब्रह्मवैवायकाचार्य
 द्वारा लिखित श्रीसुब्रह्मवैवायक
 योगप्रदीपिका नामक
 ग्रन्थस्य प्रारम्भः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry, consisting of approximately 10 lines of dense, cursive writing.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

